विद्यार्थी

कक्षा :- 9 अ

शाला :- स्व. श्री. एस. जी धोलकिया प्राथमिक शाला

निबंध :-

आज के युग को मॉडर्न एरा कहा जाता है। आज हम 21 वी सदी में अपना जीवन व्यतित कर रहे हैं। जहाँ एक तरफ विज्ञान क्षेत्र में इतनी प्राप्ति कर चूके हैं कि मंगल पर और चांद पर जाना भी संभव हो चुका है। तो दूसरी ओर ये समस्या भी है कि हमारे देश के कई ऐसे प्रश्न अभी भी है जो सुलझ नहीं पाए। और तो और अनेक नए प्रश्न भी साक्षात हो चूके हैं। जैसे कि प्रदूषण, अस्वच्छता, ऋतु का चक्र असंतुलित होना आदि क्या इन प्रश्नों को सुलझाने में विज्ञान व टेक्नोलोजी सहाय कर सकती है?

हमारे देश में अनेक समस्याओं में से एक है स्वच्छता न होना। जिसके कारण आगे चलकर प्रदूषण व अनेक रोगग्रस्त होना भी आदि और मुश्केलीयां आ सकती हैं। तो इसे सुलझाने कि आवश्यकता है। और इसे हल करने में हमें विज्ञान एवं टेक्नोलोजी सहाय कर सकते हैं।

> “स्वच्छता की तरफ सभी को देना होगा ध्यान,
>
> जिसमें सहायक होगा टेक्नोलोजी और विज्ञान ॥”

इस प्रकार स्वच्छता का प्रचार और प्रसार बहुत ही जरूरी एवं अनिवार्य है। अस्वच्छता और रोग ऐसे संकलित हैं जैसे मिठाई और च जैसे मिठाई की गंध आते ही चींटी अपने आप बिनबुलाई चली आती है, ठ वैसे ही **अस्वच्छता** के साथ अनेक रोग बिनबुलाई मेहमान की तरह आ जा

नाम :- नमात्रा चमी चिरागभाई

कक्षा :- ९ अ

शाला :- स्व. श्री. एस. जी धोलकिया मेमो. हाईस्कूल

प्राचीनकाल से हमारे देश को प्रसिद्ध माना जाता है। पर आज के समय में शायद हम कोई न कोई गलत असर कर रहे हैं। कि हम यो महत्व कायम न रख शके तो अगर हमें 'सोने की चिड़िया' जैसी प्रसिद्ध फिर से चाहिए तो देश के हर नागरिक को पूरे देश का अपने घर का समान सम्मान देना होगा और ध्यान रखना होगा। और हमें देश को स्वच्छ रखने के सफल प्रयत्न करने होंगे।

"हम सभी का है एक ही नारा,
स्वच्छ सुंदर भारत देश हमारा,
विज्ञान के क्षेत्र में हम होंगे आगे,
पहोंचेगे विकास के पथ पर आगे-आगे",

आज के समय में विज्ञान व टेक्नोलोजी क्षेत्र में इतनी प्रगति कर चूका है कि कोई एक जगह से बहुत से लोगो पर नजर रखी जा सकती है। जबकी ऐसे यंत्र व उपकरण अस्तित्व में है जो एक ही जगह से बहुत से लोगो का ध्यान रख सके। वैसे सारे उपकरण इस मिशन में उपयुक्त हो सकते है। जैसे कि हर एक जाहेर स्थल पर CCTV केमेरा लगाए जा सकते है। जो गंदकी करने वालो की बाते और चहेरा केमेरा में कैद कर सके। उसे सजा दिला सके। और इस सजा के डर से लोगो के दिल में स्वच्छता को लेकर क्रांतिकारी विचारों का बिजारोपण होगा।

नाम :- जानत्रा चावी चिरागभाई
कक्षा :- 9 अ
शाला :- स्व. श्री. एस. जी. धोलकिया मेमो. हाईस्कूल

इसके अलावा भी sensor टेक्नोलॉजी वाले अनेक उपकरणों से स्वच्छता लाई जा सकती है। अगर निर्धारित कूड़ेदान में कचरा न डाले तो कचरा डालने वाले को sensor पहचान लेगा और वो दंड के पात्र होगा। जिससे स्वच्छता का महत्व बढ़ेगा। और तो और स्वच्छता का संदेश जल्दी से जल्दी लोगों तक पहोंचाने में भी विज्ञान व टेक्नोलॉजी के अनेक यंत्र उपयुक्त हैं। जैसे की रेडियो, टी.वी., मोबाईल व इन्टरनेट इन सभी के उपयोग से स्वच्छता के बारे में जागृतता फैलाई जा सकती है।

ऐसी सॉफ्टवेर या टेक्नोलॉजी का निर्माण किया जा सकता है जिससे अलग-अलग प्रकार के कचरे को उसकी लाक्षणिकता के अनुसार वर्गीकृत किया जाए और फिर वह कूड़ा पूर्णतः नष्ट होने के बदले उसका ज्यादा से ज्यादा संभव हो सके उतना रिसायकल किया जाए तो विज्ञान की स्वच्छता मिशन में बहुत मदद हो सकती है।

विज्ञान और टेक्नोलॉजी तो वह चीज है जो एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से और एक देश से दूसरे देश को जोड़ सके। इसका सही इस्तेमाल यहाँ पे किया जा सकता है। और सफलता पूर्वक कूड़े को अच्छे से इकठ्ठा करना, वर्गीकृत करना और फिर Recycle किया जाए तो सभी कार्य उस तरह किये जाए। जिससे सब से ज्यादा फायदा हो सके। इसमें विज्ञान व टेक्नोलॉजी की मदद से ज्यादा से ज्यादा लोगों जुड़ सकते हैं और उनके नवीनतम उपायों और विचारों का लाभ ले सकते हैं।

"विज्ञान और टेक्नोलॉजी का संग,
भर देगा स्वच्छपूर्ण जीवन में नवरंग"

नाम :- प्रजापति चार्मी चिरागभाई

कक्षा :- 9 अ

शाला :- स्व. श्री. एस. श्री. ढोलकिया मेमो. हाईस्कूल

इसके सिवा भी देश में फैक्टरी व प्रदूषण के वजह से भी ऐसी पैदाशें हैं जो गंदगी फैला रही हैं। जिसके लिए भी विज्ञान और टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसी प्रक्रिया करी जा सकती है। जिसमें कम से कम नुकसानों का इस्तेमाल हो और न्यूनतम वेस्ट हो। अनेक विज्ञान के फंकशन जैसे की GreenIt, BYOD, AI (Artificial Intelligence) का उपयोग करके हम सब अपनी मंजिल तक पहुँच सकते हैं।

विज्ञान व टेक्नोलॉजी न केवल गंदगी कम होने में या दूर करने में सहायक होगी पर गंदगी हो न उसके Pre-causination में भी और तो और उससे लोगों को घायल करने वाले रोगों को अवरोधक होगी।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हमें हमारे प्रधानमंत्री के शुरू किए हुए विज्ञान में भी तन, मन और धन से संपूर्ण सहाय करनी चाहिए। और हम सभी टेक्नोलॉजी प्रयोग सीखके व सीखाके, करके और करवाके हमारे देश को सहाय करनी चाहिए।

आओ हम सभी प्रतिज्ञा करें कि पूर्ण रूप से हमारे देश के प्रति समर्पित करना चाहिए।

" जय हिन्द, जय भारत,

जय विज्ञान, जय विज्ञान "